an>

Title: Regarding delay in setting up of National Gas Grid and Haldia-Phoolpur gas pipeline in eastern India.

श्री निशिकान्त दुबे (गोड्डा) : सभापति महोदय, रघुराम राजन कमेटी की रिपोर्ट आई और वह कह रहे हैं कि कुछ ऐसे राज्य हैं, जो पिछड़े रह गए हैं, उनका विकास होना चाहिए। ईस्टर्न क्षेत्र के राज्य बिहार, झारखंड, ओड़िशा, बंगाल और पूर्वी उत्तर प्रदेश इनमें आते हैं। इन क्षेत्रों में 6 जुलाई, 2007 को गैस पाइपलाइन बिछाने का निर्णय गेल द्वारा हुआ था, इसकी घोषणा की गई थी, जो जगदीशपुर-हल्दिया वाली है। इस पर करीब 8,000 करोड़ रुपए लागत आनी थी। लेकिन सात साल हो गए, उस पाइपलाइन के लिए आज तक कुछ नहीं हुआ है। उस पाइपलाइन नहीं होने से इस पूरे इलाके के लोग परेशान हैं। इसलिए परेशान हैं कि हमारे देश में फर्टिलाइजर की कमी है और रिवाइवल आफ फर्टिलाइजर यदि होना है तो जगदीशपुर-हल्दिया पाइपलाइन, जिसके बारे में सुना है कि सरकार उसका नाम हल्दिया-फूलपुर करने वाली है। उस पर हमारे झारखंड का सिंदरी है, गोरखपुर है, बरौनी है, दुर्गापुर है। एक दूसरी पाइपलाइन है, जिसकी घोषणा 2012 में हुई, वह एसपीपीएल है, जिसमें पाराद्वीप फास्फेट है और एफसीआई का तालचर है। उसके अलावा जो कमी है, उसके कारण चाहे दुर्गापुर स्टील प्लांट हो, बोकारो या भिलाई स्टील प्लांट हो या जो आईओसी की रिफाइनरी है, चाहे बरौनी, हल्दिया की हो या जो सीटी गैस है, 333 शहरों में जो जानी है, उसमें मेरा शहर देवगढ़ है और प्रधान मंत्री जी का संसदीय क्षेत्र वाराणसी भी है। इन सारी चीजों के लिए यदि यह पाइपलाइन नहीं बनी या लुकिंग इज पालिसी जो सरकार की है और सरकार कह रही है कि इस एरिया का विकास करेंगे, तो जल्द से जल्द इस पाइपलाइन का निर्माण हो। यही मैं आपके माध्यम से निवेदन करना चाहता हूं।

HON. CHAIRPERSON:

Shri P.P. Chaudhary associated himself with the matter raised by Shri Nishikant Dubey.